Department : HINDI		
Academic Year : 2024-25		
Sr. No.	**Programme Code**	**Name of the Programme**
01.		MA IV

Sr. No.	Name of the Student	Title of the Project / Internship	Page No.
1.	सुष्मिता बारीक	प्रेमचंद और फकीर मोहन सेनापति के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन गोदान और छं माँण आठ) गुंठ(	**3-5**
2.	शाम्भ्वी तिवारी	भारतीय चिंतन परंपरा में सामासिकता के सूत्र और गूंगी रुलाई का कोरस	**6-8**
3.	ज्योतिष कुमार	प्रेमचंद की कहानियों में सामाजिकता के स्वरूप का अध्ययन मानसरोवर खंड : संदर्भ)7)	**9-11**
4.	श्रुति संगम	प्रेमचंद की कहानियाँ सामाजिक यथार्थ के विविध पक्ष :	**12-14**
5.	दीप्ति पाटकर	व्यवस्था की विडंबना और कवि सुदामा पाण्डेय धूमिल का काव्य	**15-17**
6.	संघमित्रा सिंह	हिन्दी कविता में दिनकर का योगदान कुरुक्षेत्र के विशेष) (संदर्भ में	**18-20**
7.	रंजीता सूर्यवंशी	फणीश्वरनाथ रेणु की प्रतिनिधि कहानियाँ और समकालीन संदर्भ	**21-23**
8.	प्रीति	मैत्रेयी पुष्पा की कहानी संग्रह	**24-26**
9.	विकास केसर	काशी का अस्सी का आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन काशीनाथ सिंह की : संदर्भ) कहानियाँ(	**27-29**
10.	संजय कुमार खरे	किसान जीवन के संघर्ष और प्रेमचंद की कहानियाँ संदर्भ) पूस की राततथा अन्य कहानियाँ(	**30-32**
11.	रवींद्र कुमार	आधुनिक काल में दलित विमर्श	**33-35**

12.	साक्षी	अक्करमासी : दलित जीवन के आत्मत्पीड़न की कथा	**36-38**
13.	किशन कोल	नजीर अकबराबादी का लोकवादी काव्य	**39-41**
14.	गायत्री पटेल	शिवमूर्ति की कहानियों का संवेदनात्मक पक्ष ग्राम्य : जीवन, संस्कृति और सामाजिक यथार्थ (कसाई बाड़ा, अकालदण्ड, सिरी उपमा जोग, भरतनाट्यम। तिरिया चरित्तर, केशर कस्तूरी और बनाना रिपब्लिक(	**42-44**
15.	भूमिका पटेल	छत्तीसगढ़ संत परंपरा और गुरु घासीदास	**45-47**

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature and Seal of the Head

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रेमचंद और फकीर मोहन सेनापति के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन

("गोदान" और "छँ माँण आठ गुंठ")

स्नातकोत्तर हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2024 -25

मार्गदर्शक
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सुष्मिता बारिक
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिंदी विभाग
ना. सं.- GGV/20/00219

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं **सुष्मिता बारिक** यह घोषणा करती हूँ कि **"प्रेमचंद और फकीर मोहन सेनापति के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन (गोदान और छँ माँण आठ गुंठ)"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय/संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने **प्रो. गौरी त्रिपाठी, प्राध्यापक,** हिंदी, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 09/05/2025

प्रस्तुतकर्ता
सुष्मिता बारिक
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर
नामांकन संख्या - GGV/20/00219

Scanned with CamScanner

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **सुष्मिता बारिक** ने मेरे मार्गदर्शन में **"प्रेमचंद और फकीर मोहन सेनापति के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन (गोदान और छँ माँण आठ गुंठ)"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है और उनका यह मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करती हूँ।

स्थान : हिंदी विभाग, बिलासपुर (छ.ग.)
दिनांक : 09/05/2025

मार्गदर्शक
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

भारतीय चिंतन परंपरा में सामासिकता के सूत्र और गूँगी रुलाई का कोरस

एम. ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध- प्रबंध

सत्र:2024-2025

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि.बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
प्रो.गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि.बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सांभवी तिवारी
एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी
ना. सं. GVV/20/03654

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर

Scanned with CamScanner

घोषणा पत्र

मैं सांभवी तिवारी यह घोषणा करती हूँ कि **'भारतीय चिंतन परंपरा में सामसिकता के सूत्र और गूँगी रुलाई का कोरस'** विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय या संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने **डॉ. मुरली मनोहर सिंह, सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)** के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

दिनाँक
स्थानः हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास वि.वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
सांभवी तिवारी
एम. ए. उत्तरार्द्ध, हिन्दी विभाग,गु. घा. वि. वि. बिलासपुर
नामांकन संख्या GGV/20/03654

Scanned with CamScanner

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि सांभवी तिवारी ने मेरे मार्गदर्शन में **'भारतीय चिंतन परंपरा में सामासिकता के सूत्र और गूँगी रुलाई का कोरस'** अपना लघु शोध प्रबंध पूरा किया है। यह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान: हिंदी विभाग
दिनांक:

मार्गदर्शक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, सहायक आचार्य,
हिंदी विभाग, गु.घा. वि. वि. बिलासपुर

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

"प्रेमचंद की कहानियों मे समाजिकता के स्वरूप अध्ययन"

(संदर्भ : मानसरोवर खण्ड - 7)

स्नातकोत्तर हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध - प्रबंध

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश गुप्ता
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
ज्योतिष कुमार
एम.ए.उत्तरार्द्ध, हिंदी विभाग
ना.सं.- GGV/19/0028

हिंदी विभाग
कला विद्यापीठ
गुरुघासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं **ज्योतिष कुमार**, सत्र 2024-25 स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर, गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) का छात्र हूँ। मैं अपने पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ यह घोषणा करता हूँ कि मैंने अपने निर्देशक के समक्ष स्वयं लघु शोध-प्रबंध **"प्रेमचंद की कहानियों में वर्णित समाज का अध्ययन" (संदर्भ : 'मानसरोवर' खंड - 7)** शीर्षक विषय पर पूर्ण किया है।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक :

प्रस्तुतकर्ता

ज्योतिष कुमार
स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर – 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur – 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **ज्योतिष कुमार,** गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सत्र 2024-25 में स्नातकोत्तरहिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर)का नियमित छात्र है। इन्होंने विश्वविद्यालय के नियमांतर्गत **"प्रेमचंद की कहानियों में वर्णित समाज का अध्ययन" (संदर्भ : 'मानसरोवर' खंड - 7)**शीर्षक विषय पर लघु शोध-प्रबंध का कार्य मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान : बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक : 08-05-2025

मार्गदर्शक

डॉ. अखिलेश गुप्ता
हिंदी विभाग
गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

प्रेमचंद की कहानियाँ : सामाजिक यथार्थ के विविध पक्ष

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2024 - 25

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश गोहे
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
श्रुति संगम
स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. सं. GGV/23/00304
अनुक्रमांक - 23005115

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं श्रुति संगम यह घोषणा करती हूँ कि 'प्रेमचंद की कहानियाँ : सामाजिक यथार्थ के विविध पक्ष' विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नही किया गया है। यह परियोजना-कार्य मैने डॉ.रमेश गोहे, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, (छत्तीसगढ़) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत परियोजना-कार्य को पूरा करने में मैने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना सम्बन्धी सभी नियामों का पालन की हू।

स्थान : हिंदी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक :

Shruti Sangam
प्रस्तुतकर्ता
श्रुति संगम
परास्नातक चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर , छत्तीसगढ़
नामांकन संख्या- GGV/23/00304
अनुक्रमांक- 23005115

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्रुति संगम ने मेरे मार्गदर्शन में ' प्रेमचंद की कहानियाँ : सामाजिक यथार्थ के विविध पक्ष ' विषय पर अपना परियोजन कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना सम्बन्धी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर दिनांक :

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश गोहे
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गुरु घासीदस विश्वविद्यालय,बिलासपुर, छत्तीसगढ़.

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

व्यवस्था की विडंबना और कवि सुदामा पाण्डेय धूमिल का काव्य

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कला अध्ययनशाला के अंतर्गत
हिंदी विषय में प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

मई 2025

शोध निर्देशक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
सहायक प्राध्यापक

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
हिंदी विभाग

शोधार्थी
कु. दीप्ति पाटकर
एम.ए. अंतिम वर्ष
नामां संख्या-GGV/20/00414
रोल नंबर-23005103

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु. दीप्ति पाटकर एम.ए. अंतिम वर्ष हिंदी अध्ययनशाला, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग), की छात्रा है। इन्होंने मेरे निर्देशन में "व्यवस्था की विडंबना और कवि सुदामा पाण्डेय धूमिल का काव्य" विषय पर लघु शोध प्रबंध पूर्ण किया है। जो इनका मौलिक लघु शोध प्रबंध है।

निर्देशक
डॉ. मुरली मनोहर सिंह
हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग)

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग)

Scanned with CamScanner

घोषणा पत्र

मैं कु. दीप्ति पाटकर एम.ए. अंतिम वर्ष हिंदी विभाग, गुरु घासीदास बिलासपुर विश्वविद्यालय की छात्रा हूं। मैं निष्ठापूर्वक घोषणा करती हूं कि "व्यवस्था की विडंबना और कवि सुदामा पाण्डेय धूमिल का काव्य" प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध के लिए जिन स्रोतों एवं माध्यमों से सामग्री एकत्रित किया गया है, उनका उल्लेख कर दिया गया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध का संपूर्ण कार्य शोध निर्देशक डॉ. मुरली मनोहर सिंह के निर्देशन में किया गया है।

कु. दीप्ति पाटकर

एम.ए. अंतिम वर्ष

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

हिन्दी कविता में दिनकर का योगदान

(कुरुक्षेत्र के विशेष संदर्भ में)

स्नातकोत्तर हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध

सत्र 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
संघमित्रा सिंह
स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना. क्र. - GGV/23/00303

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **संघमित्रा** ने मेरे मार्गदर्शन में **"हिन्दी कविता में दिनकर का योगदान (कुरुक्षेत्र के विशेष संदर्भ में)"** विषय पर अपना लघु शोध प्रबंध पूरा किया है। वह लघु-शोध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है। जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करती हूँ।

स्थान : हिंदी विभाग, बिलासपुर

दिनांक :

मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी

विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, संघमित्रा सिंह यह घोषणा करती हूं कि " **हिन्दी कविता में दिनकर का योगदान (कुरुक्षेत्र के विशेष संदर्भ में)**" विषय पर प्रस्तुत यह लघु-शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय / संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध- कार्य मैंने डॉ. गौरी त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिन्दी विभाग, बिलासपुर

दिनांक:

प्रस्तुतकर्ता

संघमित्रा सिंह

एम. ए. उतरार्द्ध, हिन्दी विभाग

गु. घा. वि. वि. बिलासपुर

नामांकन संख्या - GGV/23/00303

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

फणीश्वरनाथ रेणु की 'प्रतिनिधि कहानियाँ' और समकालीन संदर्भ

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2024 - 25

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
रंजीता सूर्यवंशी
एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी विभाग
ना. सं.: GGV/20/00215

हिन्दी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

Scanned with CamScanner

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **रंजीता सूर्यवंशी** ने मेरे मार्गदर्शन में **"फणीश्वर नाथ रेणु की 'प्रतिनिधि कहानियाँ' और समकालीन संदर्भ"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह शोध-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक : 08/05/2025

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, रंजीता सूर्यवंशी यह घोषणा करती हूं कि **"फणीश्वर नाथ रेणु की 'प्रतिनिधि कहानियाँ' और समकालीन संदर्भ"** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने **डॉ. अनीश कुमार**, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक : 09/05/2025

प्रस्तुतकर्ता

रंजीता सूर्यवंशी
स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
नामांकन संख्या– GGV/20/00215

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

मैत्रीपुष्पा की कहानी संग्रह

एम. ए हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के पश्न-पत्र अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

अधिन्यास कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. अखिलेश कुमार
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु.घा. वि.वि बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु.घा. वि.वि बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
प्रीति सूर्यवंशी
एम.ए. हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर
ना.क्र. GGV/20/00213
रोल नम्बर - 23005108
गु.घा. वि. वि. बिलासपुर

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)
केंद्रिय केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम-2009, क्रमाक 25, अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय
(NAAC GRADE : A++)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रीति सूर्यवंशी ने मेरे मार्गदर्शन में मैत्रीपुष्पा की कहानी संग्रह एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न–पत्रः अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत अधिन्यास कार्य पूरा किया है। यह अधिन्यास कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित, तथ्यों पर आधारित एव निर्मित कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन क्रिया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करती हूँ।

स्थान – बिलासपुर

दिनाँक –

मार्गदर्शक
डॉ अखिलेश कुमार
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु.घा. वि.वि. कोनीबिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, प्रीति सूर्यवंशी यह घोषणा करती हूँ कि मैत्रीपुष्पा की कहानी संग्रह एम.ए. हिंदी (चतुर्थ सेमेस्टर) के प्रश्न–पत्र :– अधिन्यास कार्य की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत अधिन्यास कार्य है। यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह अधिन्यास कार्य मैंने डॉ. अखिलेश कुमार, सहायक अध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय कोनी, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है। मैं यह घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत अधिन्यास कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के सभी नियमों का पालन किया है

स्थान – बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता

प्रीति सूर्यवंशी
चतुर्थ सेमेस्टर हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि.
कोनी बिलासपुर (छग)
ना.क्र–GGV/20/00213
अनुक्रमांक – 22004208

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

काशी का अस्सी का आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन

(सन्दर्भ : काशीनाथ सिंह की कहानियाँ)

लघु शोध-प्रबंध

सत्र: 2024 - 2025

मार्गदर्शक	विभागाध्यक्ष	प्रस्तुतकर्ता
डॉ. अतुल कुमार	डॉ. मुरली मनोहर सिंह	विकास केशर
सहायक प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक	एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर
गु.घा.वि.वि.बिलासपुर	गु.घा.वि.वि.बिलासपुर	न०सं०GGV/20/00222

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं विकास केशर यह घोषणा करता हु कि "अस्सी का कासी का आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन, कासीनाथ सिंह की कहानीया" विषय पर प्रस्तुत यह लघु _शोध प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित हैं तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशत: या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैने डॉ. अतुल कुमार सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ:ग) के मार्ग दर्शक में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हु कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैने विश्वविद्यालय के शोध सम्बन्धी सभी नियमों का पालन किया।

स्थान : बिलासपुर

दिनांक:

भवदीय

विकास केशर Vikaskeshar

स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

नामांकन संख्या _GGV/20/00222

अनुक्रमांक संख्या _23005117

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता हैं कि विकास केशर ने मेरे मार्गदर्शक में "अस्सी का कासी का आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन, कासीनाथ सिंह की कहानीया" विषय पर प्रस्तुत यह लघु _शोध पूरा किया है। यह लघु शोध प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा मौलिक कार्य हैं जिससे विश्वविद्यालय शोध सम्बन्धी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इस मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संतुष्टि करता हूं।

स्थान: बिलासपुर।

दिनांक:

मार्गदर्शक

डॉ. अतुल कुमार

सहायक प्राध्यापक (हिन्दी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ: ग)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

किसान जीवन के संघर्ष और प्रेमचंद की कहानियाँ

(संदर्भ: पूस की रात तथा अन्य कहानियाँ)

लघु शोध-प्रबंध

सत्र: 2024 - 2025

मार्गदर्शक	विभागाध्यक्ष	प्रस्तुतकर्ता
डॉ. अतुल कुमार	डॉ. मुरली मनोहर सिंह	Sanjay संजय कुमार खरे
सहायक प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक	एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर
गु.घा.वि.वि.बिलासपुर	गु.घा.वि.वि.बिलासपुर	न०सं०GG/20/00216

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा-पत्र

मैं संजय कुमार खरे यह घोषणा करता हूं कि 'किसान जीयन संघर्ष और प्रेमचंद की कहानियां विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध कार्य मैंने डॉ. अतुल कुमार , सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शक में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूं कि प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया हैं।

स्थानः- बिलासपुर

दिनांकः--

भवदीय

संजय कुमार खरे

एम.ए.हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

नामांकन सं.- GGV/20/00216

अनुक्रमांक सं.- 23005114

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि संजय कुमार खरे ने मेरे मार्गदर्शक में 'किसान जीवन संघर्ष और प्रेमचंद की कहानियां विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमे विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : बिलासपुर

दिनॉक:

मार्गदर्शक

डॉ. अतुल कुमार

सहायक प्राध्यापक (हिंदी विभाग)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

आधुनिक काल में दलित विमर्श

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्ष) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की पूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र: 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्र
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
डॉ गौरी त्रिपाठी
सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
रविन्द्र कुमार
एम.ए. हिन्दी (द्वितीय वर्ष)
नामांकन क्रमांक: GGV/17/4117
अनुक्रमांक: 23005110

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 की धारा 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, रविन्द्र कुमार, यह घोषणा करता हूँ कि "आधुनिक काल में दलित विमर्श" विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संकलित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है।

यह शोध-कार्य डॉ. राजेश मिश्र, प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है।

मैं यह घोषणा करता हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: बिलासपुर

दिनांक: 09/05/25

Ravi

प्रस्तुतकर्ता

रविन्द्र कुमार

स्नातकोत्तर हिन्दी (द्वितीय वर्ष)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

नामांकन क्रमांक: GGV/17/4117

अनुक्रमांक: 23005110

Scanned with CamScanner

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि रविन्द्र कुमार ने मेरे मार्गदर्शन में "आधुनिक काल में दलित विमर्श" विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह लघु शोध-प्रबंध विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणाओं के अनुसार उसके द्वारा संकलित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किये जाने की संस्तुति करता हूँ।

स्थान: बिलासपुर

दिनांक: 09/05/25

मार्गदर्शक
09/05/25
डॉ. राजेश मिश्र
प्राध्यापक (हिंदी विभाग)
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

'अक्करमाशी' : दलित जीवन के आत्मपीड़न की कथा

एम. ए. हिन्दी (चतुर्थ सेमेस्टर) के चतुर्थ प्रश्न-पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2024 - 25

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिन्दी विभाग
गु.घा.वि.वि, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता
साक्षी
एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर, हिन्दी विभाग
ना. सं.: GGV/23/00302

हिन्दी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 कंडिका 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि **साक्षी** ने मेरे मार्गदर्शन में **"'अक्करमाशी' : दलित जीवन के आत्मपीड़न की कथा"** विषय पर अपना लघु शोध-प्रबंध पूरा किया है। यह शोध-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूं।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक : 9/05/2025

मार्गदर्शक
डॉ. अनीश कुमार
हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

घोषणा-पत्र

मैं, साक्षी यह घोषणा करती हूं कि "'अक्करमाशी' : दलित जीवन के आत्मपीड़न की कथा" विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध-प्रबंध मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है। इसे अंशत: या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह शोध-कार्य मैंने डॉ. अनीश कुमार, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करती हूं कि प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध-संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान : हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
दिनांक :

प्रस्तुतकर्ता
साक्षी
स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
नामांकन संख्या– GGV/23/00302
अनुक्रमांक– 23005111

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

नज़ीर अकबराबादी का लोकवादी काव्य

स्नातकोत्तर हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर के अंतर्गत 'लघु शोध प्रबंध' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु

लघु शोध-प्रबंध

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक, हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
किशन कोल
स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
ना.संख्या- GGV/23/00301
रोल न० - 23005106

हिंदी विभाग
कला अध्ययनशाला
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(NAAC : A ++)
कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं, किशन कोल यह घोषणा करता हूँ, कि **"नज़ीर अकबराबादी का लोकवादी काव्य"** विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है, तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना कार्य मैंने प्रो. गौरी त्रिपाठी एवं हिन्दी विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

मैं घोषणा करता हूँ कि, प्रस्तुत परियोजना कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिंदी विभाग, गुरु घासीदास बिश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़।

दिनांक :

प्रस्तुतकर्ता -

किशन कोल

स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

नामांकन संख्या-GGV/23/00301

अनुक्रमांक- 23005106

गुरु घासीदास विश्विद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि किशन कोल ने मेरे मार्गदर्शन में **"नज़ीर अकबराबादी का लोकवादी काव्य"** विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है। मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करती हूँ।

स्थान: हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

दिनांक:

28-04-25

- मार्गदर्शक

डॉ. गौरी त्रिपाठी

(विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग।)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

शिवमूर्ति की कहानियों का संवेदनात्मक पक्ष: ग्राम्य जीवन, संस्कृति और सामाजिक यथार्थ

(कसाईबाड़ा, अकालदण्ड, सिरी उपमा जोग, भरतनाट्यम, तिरिया चरित्तर, केशर-कस्तूरी और बनाना रिपब्लिक)

परास्नातक हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर के अंतर्गत लघु शोध प्रबंध प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु

लघु शोध प्रबंध

सत्र : 2024 - 25

मार्गदर्शक — डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष — प्रो. गौरी त्रिपाठी
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग गु.घा.वि.वि.बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता — गायत्री पटेल
परास्नातक चतुर्थ सिमेस्टर, हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि. बिलासपुर (छ.ग.)
नामांकन संख्या- GGV/18/8325
अनुक्रमांक- 32005104

हिन्दी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

NAAC A++ कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
NAAC A++ कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि गायत्री पटेल ने मेरे मार्गदर्शन में **शिवमूर्ति की कहानियों का संवेदनात्मक पक्ष: ग्राम्य जीवन, संस्कृति और सामाजिक यथार्थ (कसाईबाड़ा, अकालदंड, सिरी उपमा जोग, भरतनाट्यम, तिरिया चरित्तर, केशर-कस्तूरी और बनाना रिपब्लिक)** विषय पर अपना लघु शोध प्रबंध कार्य पूर्ण किया है। यह शोध प्रबंध कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करता हूँ।

दिनांक:

स्थान: गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक
डॉ. रमेश कुमार गोहे
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

घोषणा पत्र

मैं, गायत्री पटेल यह घोषणा करती हूँ कि **शिवमूर्ति की कहानियों का संवेदनात्मक पक्ष: ग्राम्य जीवन, संस्कृति और सामाजिक यथार्थ (कसाईबाड़ा, अकालदंड, सिरी उपमा जोग, भरतनाट्यम, तिरिया चरित्तर, केशर-कस्तूरी और बनाना रिपब्लिक)** विषय पर प्रस्तुत यह लघु शोध कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह लघु शोध कार्य मैंने डॉ. रमेश कुमार गोहे, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

मैं घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत लघु शोध कार्य को पूर्ण करने में मैंने विश्वविद्यालय से लघु शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

दिनांक:

स्थान: गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

प्रस्तुतकर्ता

गायत्री पटेल

परास्नातक चतुर्थ सेमेस्टर, हिंदी विभाग,

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

नामांकन संख्या- GGV/18/8325

अनुक्रमांक 23005104

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

छत्तीसगढ़ी संत परम्परा और गुरुघासीदास

एम् .ए. हिंदी (ऑनर्स) चतुर्थ सेमेस्टर के अंतर्गत 'परियोजना कार्य' प्रश्न पत्र की प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत

परियोजना कार्य

सत्र : 2024-25

मार्गदर्शक
डॉ. राजेश मिश्रा
सहायक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. वि., बिलासपुर (छ.ग.)

विभागाध्यक्ष
प्रो. गौरी त्रिपाठी
प्राध्यापक
हिंदी विभाग
गु. घा. वि. बि., बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तुतकर्ता
भूमिका पटेल
एम् .ए. हिन्दी (ऑनर्स) चतुर्थ सेमेस्टर
ना.क्र.- GGV/20/00205
हिंदी विभाग, गु.घा.वि.वि., बिलासपुर

हिंदी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009, क्रमांक 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(NAAC : A ++)

कोनी, बिलासपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

घोषणा पत्र

मैं भूमिका पटेल यह घोषणा करती हूं कि "छत्तीसगढ़ी संत परंपरा एवं गुरू घासीदास" विषय पर प्रस्तुत यह परियोजना-कार्य मेरे द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित है तथा यह मेरा मौलिक कार्य है, इसे अंशतः या पूर्णतः इस विश्वविद्यालय था किसी अन्य संस्थान में किसी उपाधि हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह परियोजना कार्य मैंने डॉक्टर राजेश मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के मार्गदर्शन में पूरा किया है।

में घोषणा करती हूँ कि प्रस्तुत परियोजना कार्य को पूरा करने में मैंने विश्वविद्यालय से शोध परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया है।

स्थान: हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक :

प्रस्तुतकर्ता

भूमिका पटेल

स्नातकोत्तर हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर

नामांकन संख्या- GGV/20/00205

अनुक्रमांक- 23005103

Scanned with CamScanner

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्र. 25 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.)

Guru Ghasidas Vishwavidyalaya
(A Central University Established by the Central Universities Act 2009 No. 25 of 2009)
Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि भूमिका पटेल ने मेरे मार्गदर्शन में "छत्तीसगढ़ी संत परंपरा एवं गुरू घासीदास" विषय पर अपना परियोजना कार्य पूरा किया है। यह परियोजना-कार्य विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा-पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तथ्यों पर आधारित तथा उसका मौलिक कार्य है, जिसमें विश्वविद्यालय के शोध-परियोजना संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

में इसे मूल्यांकन हेतु प्रेषित किए जाने की संस्तुति करती हूं।

स्थान: हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

दिनांक:

मार्गदर्शक

3/05/25

डॉ. राजेश मिश्रा

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग

Scanned with CamScanner